

Rashtriya Sahara

6-6-2022



एफआरआई में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता के विजेता बच्चे।

एफआरआई में जोश के साथ मनाया पर्यावरण दिवस

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
देहरादून।

वन अनुसंधान संस्थान में केवल एक पृथ्वी विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस को बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन एफआरआई देहरादून के दीक्षांत समारोह हल में किया गया।

इस अवसर पर निदेशक एफआरआई डा. रेणु सिंह ने आज पृथ्वी के सामने आने वाले मुद्दों और समस्याओं के बारे में विस्तार से बात करते बताया कि कैसे हम पृथ्वी को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने में व्यक्तिगत रूप से योगदान दे सकते हैं। उन्होंने गृह की रक्षा करने और उसे पुनर्स्थापित करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक परिवर्तनकारी कार्रवाई का आह्वान किया।

उन्होंने संस्थान की ओर से खराब हुए

क्षेत्रों के पर्यावरण की बहाली के लिए परियोजनाएं शुरू करने और गंगा व 13 अन्य प्रमुख नदियों के कायाकल्प के लिए डीपीआर तैयार करने के बारे में भी बताया। इसके पश्चात पर्यावरण पर भाषण प्रतियोगिता व कविता पाठ किया गया। इन गतिविधियों का संचालन हिन्दी अधिकारी शंकर शर्मा ने किया। इसके बाद केन्द्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालय के छात्रों के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। उन विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस-2022 पर आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता में पुरस्कार जीते थे। कार्यक्रम में हेड एक्सटेंशन डिवीजन एफआरआई त्रिणा मिश्रा, प्रकृति प्रेमी मोहिनी रावत, श्रुति शर्मा सेवानिवृत्त एचओएफएफ राजस्थान सहित एफआरआई के कर्मचारियों, एफआरआई डीयू के छात्र और पीएचडी विद्वानों ने भाग लिया।

Uday Prabhat

5-6-2022 (Evening)

एफआरआई में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

उदय प्रभात संवाददाता

देहरादून। ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएँ हैं। इन आकाशगंगाओं में कई ग्रह हैं, हालांकि, केवल एक ही पृथ्वी है। वर्तमान

तो मानव प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा होगा। इसलिए, दुनिया के सामने आने वाले खतरों के बारे में समाज में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हम हर साल 5

जून को विश्व पर्यावरण

दिवस मनाते हैं। इस वर्ष भी वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने 5 जून, 2022 को केवल एक पृथ्वी विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस-2022 को बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन एफआरआई देहरादून के दीक्षांत समारोह



में, पृथ्वी जलवायु परिवर्तन जैसी घटनाओं का सामना कर रही है, जिसका यदि समाधान नहीं किया गया तो इसके अस्तित्व को खतरा हो सकता है। ग्लोबल वार्मिंग की घटना को चरम मौसम की घटनाओं से जोड़ा गया है जो असामयिक और अत्यधिक बारिश, सूखे और चक्रवात आदि के माध्यम से पृथ्वी के विभिन्न हिस्सों को तबाह कर रही हैं। बड़े पैमाने पर शहरीकरण से निवास स्थान का नुकसान हो रहा है जो बदले में कई प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है। भूमि, जल और वायु का प्रदूषण आवास को निर्जन बना रहा है और यदि इसे रोका नहीं गया

हॉल में किया गया। श्रीमती ऋचा मिश्रा, आईएफएस और हेड एक्सटेंशन डिवीजन, एफआरआई ने इस अवसर पर डॉ. रेणु सिंह, आईएफएस, निदेशक, एफआरआई और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। दो विशिष्ट अतिथियों श्रीमती मोहिनी रावत, एक प्रकृति प्रेमी और श्रीमती श्रुति शर्मा, आईएफएस एवं एचओएफएफ (सेवानिवृत्त), राजस्थान का विशेष स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम का सौंक्ष्प विवरण दिया और डॉ. रेणु सिंह, आईएफएस, निदेशक एफआरआई को उद्घाटन भाषण के लिए आमंत्रित किया। डॉ. रेणु सिंह ने सभा को संबोधित

त किया और आज पृथ्वी के सामने आने वाले मुद्दों और समस्याओं के बारे में विस्तार से बात की और बताया कि कैसे हम पृथ्वी को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने में व्यक्तिगत रूप से योगदान दे सकते हैं। उन्होंने ग्रह की रक्षा करने और उसे पुनर्स्थापित करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक, परिवर्तनकारी कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने संस्थान द्वारा खराब हुए क्षेत्रों के पर्यावरण की बहाली के लिए परियोजनाएँ शुरू करने और गंगा और 13 अन्य प्रमुख नदियों के कार्याकल्प के लिए डीपीआर तैयार करने के बारे में भी बताया। तत्पश्चात पर्यावरण पर भाषण प्रतियोगिता व कविता पाठ किया गया। इन गतिविधियों का संचालन हिन्दी अधि कारी श्री. शंकर शर्मा ने किया। श्रीमती मोहिनी रावत और श्रीमती श्रुति शर्मा द्वारा दो गतिविधियों का निर्णय किया गया। कार्यक्रम में एफआरआई के कर्मचारियों, एफआरआई डीयू के छात्र और पीएचडी विद्वानों ने भाग लिया।

इसके बाद केन्द्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालय के छात्रों के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। उन विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस-2022 पर आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता में पुरस्कार जीते थे। समारोह के दौरान कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

पर्यावरण के संरक्षण, सचेत होने व वृक्षारोपण का दिया संदेश पृथ्वी को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने में दें योगदान: डॉ. रेणू

■ वन अनुसंधान संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस जोश के साथ मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता देहरादून। ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएँ हैं। इन आकाशगंगाओं में कई ग्रह हैं, हालाँकि, केवल एक ही पृथ्वी है। वर्तमान में पृथ्वी जलवायु परिवर्तन जैसी घटनाओं का सामना कर रही है, जिसका यदि समाधान नहीं किया गया तो इसके अस्तित्व को खतरा हो सकता है।

ग्लोबल वार्मिंग की घटना को चरम मौसम की घटनाओं से जोड़ा गया है जो असामयिक और अत्यधिक बारिश, सूखे और चक्रवात आदि के माध्यम से पृथ्वी के विभिन्न हिस्सों को तबाह कर रही हैं। बड़े पैमाने पर शहरीकरण से निवास स्थान का नुकसान हो रहा है जो बदले में कई प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है। भूमि, जल और वायु का प्रदूषण आवास को निर्जन बना रहा है और यदि इसे रोका नहीं गया तो मानव



प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा होगा। इसलिए, दुनिया के सामने आने वाले खतरों के बारे में समाज में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हम हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हैं।

इस वर्ष भी वन अनुसंधान संस्थान, रविवार को 'केवल एक पृथ्वी' विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस-2022 को बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन एफआरआई देहरादून के दीक्षांत समारोह हॉल में किया गया। ऋचा मिश्रा, आईएफएस और हेड एक्सटेंशन डिवीजन, एफआरआई ने इस अवसर पर डॉ. रेणू सिंह, आईएफएस, निदेशक, एफआरआई

और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। दो विशिष्ट अतिथियों मोहिनी रावत, एक प्रकृति प्रेमी और श्रुति शर्मा, आईएफएस एवं एचओएफएफ (सेवानिवृत्त), राजस्थान का विशेष स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया और डॉ. रेणू सिंह, आईएफएस, निदेशक एफआरआई को उद्घाटन भाषण के लिए आमंत्रित किया।

डॉ. रेणू सिंह ने सभा को संबोधित किया और आज पृथ्वी के सामने आने वाले मुद्दों और समस्याओं के बारे में विस्तार से बात की और बताया कि कैसे हम पृथ्वी को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने में

व्यक्तिगत रूप से योगदान दे सकते हैं। उन्होंने ग्रह की रक्षा करने और उसे पुनर्स्थापित करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक, परिवर्तनकारी कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने संस्थान द्वारा खराब हुए क्षेत्रों के पर्यावरण को बहाली के लिए परियोजनाएँ शुरू करने और गंगा और 13 अन्य प्रमुख नदियों के कायाकल्प के लिए डीपीआर तैयार करने के बारे में भी बताया। पर्यावरण पर भाषण प्रतियोगिता व कविता पाठ किया गया। इन गतिविधियों का संचालन हिन्दी अधिकारी शंकर शर्मा ने किया। मोहिनी रावत और श्रुति शर्मा ने दो गतिविधियों का निर्णय किया गया।

अंत में डॉ. चरण सिंह, वैज्ञानिक-एफ, विस्तार प्रभाग, एफआरआई ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक-ई.डॉ. देवेंद्र कुमार ने किया। रामवीर सिंह, वैज्ञानिक-ई एवं विजय कुमार, एसीएफ और विस्तार प्रभाग, एफआरआई के अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

‘पर्यावरण में बदलाव से मानव के अस्तित्व पर खतरा’

क्या
नके
तीना
से
पता
ने
क्या
को
है।
सार
रण
कुक,
डया
के

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। पूरे ब्रह्मांड में पृथ्वी सिर्फ एक हैं। वर्तमान में पृथ्वी जलवायु परिवर्तन जैसी घटनाओं का सामना कर रही है, जिसका समाधान नहीं किया गया तो अस्तित्व को खतरा हो सकता है। ग्लोबल वार्मिंग की घटना को चरम मौसम की घटनाओं से जोड़ा गया है, जो असामयिक और अत्यधिक बारिश, सूखे और चक्रवात आदि के माध्यम से पृथ्वी के कई हिस्सों को तबाह कर रही हैं।

उक्त बातें वन अनुसंधान संस्थान



बोले, शहरीकरण से भी पर्यावरण हो रहा प्रभावित

निदेशक डॉ. रेनू सिंह ने विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को

संघोधित कर रहते हुए कही। कहा कि देश और दुनिया में बड़े पैमाने पर हो रहे शहरीकरण से पर्यावरण प्रभावित हो रहा है। भूमि, जल और वायु का प्रदूषण पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। यदि इसे रोकने को लेकर समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो वनस्पतियों, वन्यजीवों के साथ ही मानव के अस्तित्व को खतरा होगा। वक्तों ने पृथ्वी के सामने आने वाले मुद्दों और समस्याओं के बारे में विस्तार से बात की।

इस मौके पर मोहिनी रावत और राजस्थान की पूर्व पीसीसीएफ श्रुति शर्मा

को सम्मानित किया गया। इस दौरान पर्यावरण पर भाषण प्रतियोगिता व कविता पाठ किया गया। कार्यक्रम में एफआरआई कर्मियों, एफआरआई डीयू के छात्र और पीएचडी विद्वानों ने भाग लिया। इसके बाद केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालय के छात्रों को पुरस्कार बांटे गए। कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर आईएफएस ऋचा मिश्रा समेत संस्थान के अधिकारी, वैज्ञानिक उपस्थित थे। संचालन हिंदी अधिकारी शंकर शर्मा ने किया।

The Hawk

6-6-2022

FRI Celebrates World Environment Day June 5



Dehradun (The Hawk): There are billions of galaxies in the universe. These galaxies harbour a multitude of planets, however, there is Only One Earth. Currently, the Earth is facing phenomena like climate change which if left unaddressed can threaten its very existence. The phenomenon of global warming has been linked to extreme weather events which have been devastating various parts of the earth through untimely and extreme rains, droughts and cyclones etc. Rampant urbanization is leading to habitat loss which in turn is threatening many species with extinction. Pollution of land, water and air is making the habitat uninhabitable and if not checked would threaten the survival of the human species. Therefore, with a view to promote awareness among the society about the perils facing the world we celebrate World Environment Day every year on the 5th of June.

This year also Forest Research Institute, Dehradun celebrated World Environment Day-2022 having the theme

"Only One Earth" on 5th June, 2022 with lot of excitement and enthusiasm. The programme was organized in the Convocation Hall of FRI, Dehradun. Smt. Richa Misra, IFS and Head Extension Division, FRI welcomed Dr. Renu Singh, IFS, Director, FRI and other dignitaries present on the occasion. A special welcome was accorded to two special guests Smt. Mohini Rawat, a nature lover and Smt. Shruti Sharma, IFS & HoFF (Retd.), Rajasthan. She then gave a brief account of the programme and invited Dr. Renu Singh, IFS, Director FRI for the inaugural address. Dr. Renu Singh addressed the gathering and spoke at length about the issues and problems facing the Earth today and how we can individually contribute towards making the earth a better place to live in. She called for collective, transformative action on a global scale to protect and restore the planet. She also spoke about the institute taking up projects for eco-restoration of degraded areas and also pre-

paring DPR's for rejuvenation of Ganga and 13 other major rivers. Subsequently, the Declaration on Environment contest and Kavita paath were carried out. These activities were coordinated by Hindi Officer Sh. Shankar Sharma. The two activities were judged by Smt. Mohini Rawat, and Smt. Shruti Sharma. The employees of FRI, student and Ph.D scholars of FRI DU participated in the event. This was followed by Prize distribution for Kendriya Vidyalayas and Navodaya Vidyalaya students. Those students had won prizes for essay and painting competition organised on International Day of Forest-2022. The winners of Kavita Paath and Declaration contest were also awarded during the function. In the end Dr. Charan Singh-F, Scientist, Extension Division, FRI delivered vote of thanks. Dr. Devendra Kumar, Scientist-E compared the programme. Sh. Rambir Singh, Scientist-E & Sh. Vijay Kumar, ACF and other members of Extension Division, FRI contributed significantly in successful completion of the programme.

ork
cent
nti-
be-
he
to
ial
gy.
he
s a
lon
dia
rter,
ust
T-
nat
he
in

gh
he
ple
at-
ed,
nd
he
n-
by
to-
our
om
the
an